



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 251]
No. 251]

नई दिल्ली, मंगलवार, मई 22, 1984/ज्याइस्था 1, 1906
NEW DELHI, TUESDAY, MAY 22, 1984/JYAISTHA 1, 1906

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उद्योग मंत्रालय
(औद्योगिक विकास विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 22 मई, 1984

का० आ० 401 (अ)/18 कक/उ० वि० वि० अ०/84:-
भारत सरकार के, उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के
आदेश सं० का० आ० 112 (अ)/18 कक/उ० वि० वि० अ०/79
तारीख 26 फरवरी, 1979 (जिसे इसके पश्चात उक्त आदेश
कहा गया है) द्वारा मैसर्स ब्रेंटफोर्ड इलेक्ट्रिक (इंडिया)
लिमिटेड, कलकत्ता के नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम का
प्रबन्ध उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951
(1951 का 65) की धारा 18-क क की उप-धारा (1)
के खण्ड (क) के अधीन छह महीने की अवधि के लिए
अर्थात् 25 अगस्त, 1979 (जिसमें यह दिन भी शामिल है)
तक ग्रहण किया था और एन्ड्रयूयूल एण्ड कम्पनी लिमिटेड
कलकत्ता को उक्त औद्योगिक उपक्रम का प्रबन्ध ग्रहण करने
के लिए प्राधिकृत किया गया था;

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक
विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 476 (अ)/18-

कक/उ० वि० वि० अ०/79, तारीख 22 अगस्त, 1979,
सं० का० आ० 637 (अ)/18 कक/उ० वि० वि० अ०/80,
तारीख 23 अगस्त, 1980, सं० का० आ० 126 (अ)/18
क क/उ० वि० वि० अ०/81, तारीख 23 फरवरी, 1981,
सं० का० आ० 98 (अ)/18 कक/उ० वि० वि० अ०/82, तारीख
25 फरवरी, 1982, सं० का० आ० 611 (अ)/18 कक/उ०-
वि० वि० अ०/83, तारीख 23 अगस्त, 1982, सं० का० आ०
143 (अ)/18 कक/उ० वि० वि० अ०/83, तारीख 24
फरवरी, 1983, सं० का० आ० 611 (अ)/18 कक/उ० वि०
वि० अ०/83, तारीख 24 अगस्त, 1983, सं० का० आ० 772
(अ)/18 कक/उ० वि० वि० अ०/83, तारीख 25 अक्तूबर,
1983, तथा सं० का० आ० 845 (अ)/18 कक/उ० वि०-वि०
अ०/83, तारीख 19 नवम्बर, 1983 द्वारा उक्त आदेश की
अवधि तारीख 25 मई, 1984 (जिसमें यह दिन भी शामिल है)
तक बढ़ा दी गई थी, और भारत सरकार की राय है कि
लोकहित में यह समीचीन है कि उक्त औद्योगिक उपक्रम
को छह महीनों की और अवधि के लिए एन्ड्रयूयूल एण्ड कम्पनी
लिमिटेड के प्रबन्ध-तंत्र के अधीन बने रहना चाहिए।

अतः अब केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा
18-क क की उप-धारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग

करते हुए निर्देश देती है कि उक्त आदेश छह महीनों की अवधि के लिए अर्थात् तारीख 25 नवम्बर, 1984 तक (जिसमें यह दिन भी शामिल है) प्रभावी बना रहेगा।

[फा० सं० 5 (14)/78-सी० यू० एम०]

MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Industrial Development)

ORDER

New Delhi, the 22nd May, 1984

S.O. 401((E)|18AA|IDRA|84.—Whereas by the Order of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 112(E)|18AA|IDRA|79, dated the 26th February, 1979 (hereinafter referred to as the said Order), the management of the industrial undertaking known as Messrs Brentford Electric (India) Limited, Calcutta, was taken over under clause (a) of sub-section (1) of section 18AA of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), for a period of six months upto and inclusive of 25th August, 1979 and Andrew Yule and Company Limited, Calcutta, was authorised to take over the management of the said industrial undertaking;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 476(E)|18AA|IDRA|79, dated the 22nd August, 1979, No. S.O. 637(E)|18AA|IDRA|80, dated the 23rd August, 1980, No. S.O. 126(E)|18AA|IDRA|81, dated the 23rd February, 1981, No. S.O. 98(E)|18AA|IDRA|82, dated the 25th February, 1982, No. S.O. 611(E)|18AA|IDRA|82, dated the 23rd August, 1982, No. S.O. 143(E)|18AA|IDRA|83, dated the 24th February, 1983, No. S.O. 611(E)|18AA|IDRA|83, dated the 24th August, 1983, No. S.O. 772(E)|18AA|IDRA|83, dated the 25th October, 1983, and No. S.O. 845(E)|18AA|IDRA|83, dated the 19th November, 1983, the duration of the said Order was extended for a further period upto and inclusive of the 25th May, 1984;

And, whereas, the Central Government is of the opinion that it is expedient in the public interest that the said industrial undertaking should continue under the management of the Andrew Yule and Company, Limited, Calcutta, for a further period of six months;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 18AA of the

said Act, the Central Government hereby directs that the said Order shall continue to have effect for a further period of six months upto and inclusive of the 25th November, 1984.

[File No. 5(14)|78-CUS]

का० आ० 402 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/84:—भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 124 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/79, तारीख 5 मार्च, 1979 तथा सं० का० आ० 130 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/79, तारीख 9 मार्च, 1979 (जिन्हें इसके पश्चात् उक्त आदेश कहा गया है) द्वारा केन्द्रीय सरकार ने उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-अख की उप-धारा (1) के खण्ड (ख) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए यह घोषणा की थी कि उक्त आदेशों के जारी होने की तारीखों के ठीक पूर्व प्रदत्त ऐसे सभी संविदाओं संपत्ति के हस्तान्तरण पत्रों, करारों, व्यवस्थाओं, पंचाटों, स्थाई आदेशों या अन्य लिखतों जिनका मससं नेटवर्कड्ड इलेक्ट्रिक (इंडिया) लिमिटेड, कलकत्ता नाम से ज्ञात औद्योगिक उपक्रम एक पक्षकार है या जो उक्त औद्योगिक उपक्रम पर लागू हो सकते हों को प्रवर्तन 25 अगस्त, 1979, तक की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा और उक्त तारीख से पूर्व उनके अधीन प्रोदभूत या उदभूत होने वाले सभी अधिकार विकेताधिकार, वाध्यताएं और दायित्व 25 अगस्त, 1979, तक (जिसमें यह दिन भी शामिल है) की अवधि के लिए निलम्बित रहेगा।

और भारत सरकार के उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के आदेश सं० का० आ० 477 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/79, तारीख 22 अगस्त, 1979, सं० का० आ० 638 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/80, तारीख 22 अगस्त, 1980, सं० का० आ० 127 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/81, तारीख 23 फरवरी, 1981, सं० का० आ० 99 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/82, तारीख 25 फरवरी, 1982, सं० का० आ० 612 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/82, तारीख 23 अगस्त, 1982, सं० का० आ० 144 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/83, तारीख 24 फरवरी, 1983, सं० का० आ० 612 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/83, तारीख 24 अक्टूबर, 1983, सं० का० आ० 773 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/83, तारीख 25 अक्टूबर, 1983, तथा सं० का० आ० 846 (अ)/18 एफ० बी०/आई० डी० आर० ए०/83, तारीख 19 नवम्बर, 1983, द्वारा उक्त आदेश की अवधि 25 मई, 1984, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) तक बढ़ा दी गई थी;

और केन्द्रीय सरकार इस बारे में संतुष्ट हो गई है कि उक्त आदेशों की उक्त अवधि छह महीनों के लिए

अर्थात् 25 नवम्बर, 1984, (जिसमें यह दिन भी शामिल है) और बढ़ा दी जानी चाहिए;

अतः अब उद्योग (विकास और विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18-च ख की उप-धारा (2) के साथ पठित उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्र सरकार उक्त आदेशों की अवधि 25 नवम्बर, 1984 तक (जिसमें यह दिन भी शामिल है) और बढ़ाती है।

[फा० सं० 5 (14)/78-सी० यू० एस०]
ए० पी० सरवान, संयुक्त सचिव

S.O. 402(E)|18FB|IDRA|84.—Whereas by two orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 124(E)|18FB|IDRA|79, dated the 5th March, 1979 and No. S.O. 130(E)|18FB|IDRA|79, dated the 9th March, 1979 (hereinafter referred to as the said Orders), the Central Government in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), had declared that the operations of all contracts, assurances of property, agreements, settlements, awards, standing orders or other instruments in force immediately before the dates of the issue of the said Orders, to which the industrial undertaking known as Messrs Brentford Electric (India) Limited, Calcutta, was a party or which might be applicable to the said industrial undertaking, should remain suspended for a period upto the 25th August, 1979 and that all rights, privileges, obligations and liabilities accruing or arising thereunder before the said date should remain

suspended for a period upto and inclusive of the 25th August, 1979;

And, whereas, by the Orders of the Government of India in the Ministry of Industry (Department of Industrial Development) No. S.O. 477(E)|18FB|IDRA|79, dated the 22nd August, 1979, No. S.O. 638(E)|18FB|IDRA|80, dated the 23rd August, 1980, No. S.O. 127(E)|18FB|IDRA|81, dated the 23rd February, 1981, No. S.O. 99(E)|18FB|IDRA|82, dated the 25th February, 1982, No. S.O. 612(E)|18FB|IDRA|82, dated the 23rd August, 1982, No. S.O. 144(E)|18FB|IDRA|83, dated the 24th February, 1983, No. S.O. 612(E)|18FB|IDRA|83, dated the 24th August, 1983, No. S.O. 773(E)|18FB|IDRA|83, dated the 25th October, 1983, and No. S.O. 846(E)|18FB|IDRA|83, dated the 19th November, 1983, the duration of the said Orders was extended for a further period upto and inclusive of the 25th May, 1984;

And, whereas, the Central Government is satisfied that the duration of the said Orders should be extended for a further period of six months upto and inclusive of the 25th November, 1984;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) read with sub-section (2) of section 18FB of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby extends the duration of the said Orders upto and inclusive of the 25th November, 1984.

[F. No. 5(14)/78-CUS]

A. P. SARWAN, Jt. Secy.

